7 जनवरी, 2018

# प्रेस विज्ञप्ति

## पुस्तक मेले मे उमड़े एक लाख से ज़्यादा पुस्तक प्रेमी

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले के दूसरे दिन अर्थात् रविवार को छुट्टी के दिन मेले में पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। प्रगति मैदान में हर तरफ सभी आयु–वर्गों के पाठक अपनी पसंदीदा पुस्तकें खरीदते और यहाँ आयोजित हो रही विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेते नज़र आए। आज एक लाख से अधिक पुस्तक प्रेमी मेला देखने पहुँचे और हर तरफ लंबी–लंबी लाइनें देखने को मिली।

### थीम मंडप

थीम मंडप पर पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जैसे आज यहाँ पंजाब के प्रसिद्ध पर्यावरणविद्, संत श्री बलवीर सिंह सीचेवाल तथा डॉ. इंद्रजीत कौर से डॉ. मनजीत सिंह और सरदार जसवंत सिंह ने 'प्रदूषण से मुक्ति के लिए सीचेवाल मॉडल' पर चर्चा की तथा इस विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष, डॉ. बल्देव भाई शर्मा ने इन समाजसेवियों के मेले में उपस्थिति को उनका आशीर्वाद माना व उनकी निष्काम सेवा की सराहना की।

इसी मंडप में दिल्ली गुरुकुल तथा श्री निवास संस्कृत विद्यापीठ के छात्रों ने प्रकृति पर आधारित वैदिक मंत्रों का पाठ किया तथा शुद्ध जल, वायु और आकाश की कामना की। कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया रेडियो में संस्कृत सामाचार वाचक, श्री बलदेवानंद सागर ने किया। मंत्रों का सार हिंदी में भी समझाया गया।

### यूरोपीय संघ मंडप

आज मेले में यूरोपीय संघ मंडप पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों की शुरुआत 'भारत और स्लोवानिया के बीच सहयोग के अवसर' विषय पर आयोजित पैनल–विमर्श से हुई। इस अवसर पर वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : इवो स्वेतीना तथा इवाल्ड फ्लिसर,, स्लोवेनिया से आए लेखक एवं प्रकाशक; युयुत्सु शर्मा; स्लोवेनिया बुक एजेंसी, निदेशक, रेनेटा ज़ेमिदा। यहाँ आयोजित चर्चा में स्लावेनिया के प्रकाशन तथा अनुवाद के बारे में चर्चा की गई।

### साहित्यिक गतिविधियाँ

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला भारत की सभी भाषाओं विशेष रूप से कम जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं में पुस्तकों के प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करता है। सेंटर फॉर स्टडीज़ ऑफ ट्रेडिशंस एंड सिस्टम्स ने मैथिली भोजपुरी अकादमी के सहयोग से मैथिली भाषा के साहित्य पर चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के दौरान सुश्री उषा किरण खान की पुस्तक 'निर्गुण' का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में श्री नचिकेता तथा सुश्री स्वाति पॉल वक्ता थे जिन्होंने समकालीन मैथिली साहित्य और सुश्री खान के मैथिली साहित्य में योगदान पर बात की।

मेले में अनेक साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिनमें शामिल हैं – साहित्य मंच पर अनिल प्रकाशन द्वारा पुस्तक लोकार्पण एवं चर्चा जिसमें श्री विश्वम्भर श्रीवास्तव द्वारा रचित पुस्तक 'आडवाणी के साथ 32 साल' का लोकार्पण; लेखक मंच पर सुश्री लोढा की पुस्तक 'द इंडियन हीरोज़' पर परिचर्चा आदि। लेखक

मंच पर उद्‌भव संस्था ने श्री राजीव जायसवाल की पुस्तक 'मन वहीं खड़ा रहा' का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया। इसी मंच पर नील नारायण प्रकाशन द्वारा पठन संस्कृति पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमें वक्ताओं के रूप में उपस्थित थे : विन टेक्नॉलॉजी प्रा. लि. के सीईओ तथा एमडी, श्री स्वर्ण सिंह जग्गी; दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी के अध्यक्ष, श्री राम शरण गौड़ तथा श्री दीपांकर सिन्हा।

**बाल मंडप**

मेले में बच्चों के लिए बने रोमांचक बाल मंडप पर अनेक गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यहाँ बच्चों के लिए यूरोपीय संघ के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लेखक एवं कलाकार, पाल श्मिट द्वारा बच्चों को चित्रों के माध्यम से कहानी लिखने की कला सिखाई गई। यहाँ उपस्थित विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों से आए बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से कागज़ पर उतारा।

**सीईओ स्पीक – एक प्रकाशन मंच**

आज नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में बी–2बी गतिविधियों के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा फिक्की के सहयोग से सीईओ स्पीक – एक प्रकाशन मंच का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार, डॉ. सत्यपाल सिंह ने समृद्ध प्राचीन भारतीय साहित्य, अध्यात्म और सामंजस्य के संदेश को पूरे विश्व तक पहुँचाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने प्रकाशकों से अपील की कि वे वैदिक साहित्य तथा आध्यात्मिक पुस्तकों के प्रकाशन पर और अधिक ध्यान देकर इसे बढ़ावा दें। डॉ. सिंह ने सीईओ स्पीक जैसा मंच प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास तथा फिक्की की सराहना की।

इस अवसर पर भारत में यूरोपीय संघ के माननीय राजदूत, महामहिम टोमाश कोज़लौस्की ने भारत और यूरोपीय देशों की समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का उल्लेख किया और भविष्य में भारतीय बाज़ार में यूरोपीय प्रकाशकों की रुचि बढ़ने की संभावना प्रकट की। उन्होंने यह भी कहा कि प्रकाशन उद्योग में ई–बुक्स के आगमन से यूरोप और भारत दोनों के बाज़ारों में क्रांति आ सकती है और यूरोपीय साहित्य को भारतीयों के और समीप लाने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत के अध्यक्ष, डॉ. बल्देव भाई शर्मा ने वैश्विक बाज़ार में अनूदित साहित्य के महत्व पर ज़ोर दिया और कहा कि अनुवाद तथा कॉपीराइट के आदान–प्रदान के व्यवसाय के लिए एक–दूसरे की संस्कृति और साहित्य की जानकारी प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।

फिक्की प्रकाशन समिति के सह–अध्यक्ष तथा कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस के प्रबंध निदेशक, श्री रत्नेश झा ने कहा कि कॉपीराइट, राइट्स तथा लाइसेंस से संबंधित कानून की सही व्याख्या करने की ज़रूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि युवा पीढ़ी के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के सृजन के लिए सभी हितधारकों का सहयोग ज्ञान–अर्थव्यवस्था के लिए वांछित है।

सीईओ स्पीक – एक प्रकाशन मंच कार्यक्रम में मैड्रिगल, फ्रांस के प्रमुख, श्री एन्टायन गेलिमार्ड; फिक्की की महानिदेशक (अंतरराष्ट्रीय), सुश्री अंबिका शर्मा; डायरेक्टर ऑफ राइट्स, उलेस्टीन बुकवर्लेज, सुश्री एनीमैरी ब्लूमैनहेजन तथा ग्वाडालाजारा मैक्सिको अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले की महानिदेशक, मैरीसोल शुल्ज़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए।